सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 63 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 7 अप्रैल, 2023
मूल्य ₹ 3/-

भाजपा सरकार में गरीब और गरीब... 7

शिखर तक पहुंचने के लिए ताकत चाहिए होती है, चाहे वो माउन्ट एवरेस्ट का शिखर हो या आपके पेशे का।
-डॉ. अब्दुल कलाम

2024 तक दिखेंगे सियासत के... 3

निकाय चुनाव के आरक्षण में की... 2

प्रयागराज की लड़की ने कहा-भाजपा विधायक ने नशे की गोली खिलाकर किया मेरे साथ बलात्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। शहर की एक ब्यूटीशियन ने भाजपा के करछना से विधायक पीयूष रंजन निषाद पर दिल्ली के एक होटल में जबरन शराब पिलाकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर छात्रा की ओर से लिखा गया शिकायती पत्र और मान-मनौव्वल का ऑडियो वायरल होने के बाद विधायक को सफाई देने के लिए आगे आना पड़ा। विधायक ने इसे विरोधियों की साजिश करार दिया है।

नैनी की रहने वाली ब्यूटीशियन ने शोषण का शिकायती पत्र सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। इसके बाद भाजपा विधायक और उनके दोस्त की मान मनौव्वल के तीन ऑडियो भी वायरल हुए हैं। इसमें ब्यूटीशियन का आरोप है कि नौ महीने पहले 17 अगस्त 2022 को वह मेकअप कोर्स के लिए लखनऊ गई थी। फीस अधिक होने की वजह से दाखिला लेने में दिक्कतें आने लगीं। आर्थिक परेशानी को जब उसने अपनी एक सहेली से साझा किया तब उसने करछना के विधायक पीयूष रंजन निषाद से उसकी बात कराई।

विधायक ने कहा- विरोधियों की साजिश

पार्लर खुलवाने के नाम पर किया शोषण

पांच सितंबर-2022 की रात 9:30 बजे पीयूष रंजन ने अपने ड्राइवर रहीम को लखनऊ में ही उसे लेने के लिए भेजा और अपने आवास बटलर कॉलोनी बुलवा लिया। वह वहां अकेले थे। उन्होंने पूरी सहायता करने और पार्लर खुलवाने का भरोसा दिया। 12 सितंबर-2022 की सुबह विधायक ने 60 हजार रुपये फीस देकर एक एकेडमी में उसका दाखिला करवा दिया। मेकअप का सामान भी खरीदवा दिया। कबीर मार्ग पर एक अपार्टमेंट में लैट किराये पर दिलाया। विधायक भी वहां मिलने आया करते थे। दिवाली पर जब अपने घर प्रयागराज आई, तब विधायक उसे अपने साथ लखनऊ ले गए। रात को थका बताकर उन्होंने अपने पैर दबवाए। नौकर शुभम से खाना मंगाया। इस दौरान कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया और फिर उसका शारीरिक शोषण किया। विरोध पर धमकाने लगे।

योगी सरकार को बदमाशों की फिर चुनौती

प्रयागराज में फिर चले बम,भाजपा नेता के बेटे पर हमला

» पुलिस फोर्स के साथ छानबीन में जुटी

» भाजपा की जिला मंत्री का है बेटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उमेशपाल हत्याकांड का खुलासा अभी पूरी तरह से हो नहीं पाया है, और प्रयागराज में एक और सरेशाम बदमाशों ने बमबाजी से महिला प्रधान पुत्र पर जानलेवा हमला कर दिया। 42 दिन बाद शहर में एक बार फिर ऐसा हुआ। योगी सरकार के कानून पर जीरो टालरेंस के दावे के बीच ठीक डेढ़ महीने बाद पुलिस को एकबार फिर बदमाशों ने चुनौती है। घटना थाना क्षेत्र के आवास विकास कालोनी योजना तीन के सेक्टर तीन में बृहस्पतिवार की देर शाम की है। वहां पर बाइक सवार मनबढ़ युवकों ने महिला प्रधान पुत्र पर जानलेवा हमला कर दिया।

बाइक सवार युवकों ने टाटा सफारी गाड़ी के भीतर बैठे प्रधान पुत्र पर बमबाजी की। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बमबाजी करने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर इलाकाई पुलिस मौके पर पहुंची और तफ्तीश की। बाद में भुक्तभोगी की तहरीर पर आरोपी युवकों के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की।

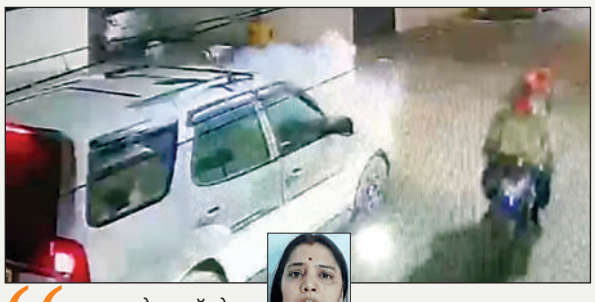

हमला करने वाला कॉन्स्टेबल का बेटा शिवम है। उसी ने बेटे की जान लेने की पूरी कोशिश की है। ईश्वर का शक्र है कि बेटा बच गया। हमलावरों के पास असलहे भी थे। इन पर पुलिस सत से सत कार्रवाई करे।
विजयलक्ष्मी

बाइक सवार असलहों से भी थे लैस

चारों युवकों ने गमछे से मुंह बांध रखा था। पहले चारों युवक बाइक से टाटा सफारी से आगे गए। कुछ दूर जाने के बाद बाइक मोड़ी और वापस लौटे। इसके बाद बाइक पर पीछे बैठे युवकों ने एक के बाद एक दो बम टाटा सफारी के सामने वाले शीशे पर चलाए। इससे गाड़ी का शीशा टूट गया। बमबाजी करने के बाद मनबढ़ युवक वहां से फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक सवार युवक असलहों से भी लैस थे। अचानक बम चलने से टाटा सफारी के भीतर बैठा प्रधान पुत्र विधान सिंह और उसका दोस्त प्रांशु सहम गए। बमबाजी करने वाले युवकों के वहां से जाने के बाद प्रधान पुत्र विधान सिंह वहां से गाड़ी लेकर भागा और अपनी जान बचाई।

जायसवाल किडनैपिंग केस में अतीक पर आरोप तय

» सीबीआई कोर्ट ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से की पेशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसी जमाने में माफियाओं की फेरहिस्त में शामिल रहे पूर्व बाहुबली अतीक अहमद की मुश्किलें फिलहाल कम होती दिखाई नहीं दे रही हैं, अब एक और मामले में अतीक पर आरोप तय हो गए हैं। शुक्रवार को मोहित जायसवाल अपहरण कांड में अतीक के बेटे उमर और असद पर सीबीआई कोर्ट ने आरोप तय कर दिए। बताते चलें कि उमेश पाल अपहरण कांड में माफिया साबरमती जेल में सजायफ्ता है, वह वहीं से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़ा था। पेशी के बाद उमर ने कहा उमेश पाल हत्याकांड में घर की महिलाओं को फंसाया जा रहा है।

निकाय चुनाव के आरक्षण में की गई गड़बड़ी : सपा

आरोप- कई जिलों में जनजाति व पिछड़े वर्ग को नहीं मिली सीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने निकाय चुनाव के लिए आरक्षण निर्धारण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का आरोप लगाया है। पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पूरे मामले में की रिपोर्ट सौंपी। मांग की कि अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ों के आरक्षण निर्धारण में की गई गड़बड़ी दूर कराया जाए।

सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के निर्देश पर पार्टी के वरिष्ठ नेता केके श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने निदेशक स्थानीय निकाय को ज्ञापन सौंपा। इसमें बताया कि नगर पंचायत अध्यक्ष पद के कुल 544 पद में जिला बलरामपुर, कानपुर नगर, ललितपुर में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए एक भी सीट आरक्षित नहीं की गई है। इसी तरह अमेठी, अमरोहा, बलरामपुर, बिजनौर, चंदौली, गाजियाबाद, कन्नौज, कानपुर नगर, ललितपुर, महोबा, मिर्जापुर, रामपुर, श्रावस्ती, वाराणसी में अनुसूचित जाति के लिए एक भी सीट आरक्षित नहीं की गई है। जिला बलरामपुर, चित्रकूट, इटावा, हापुड, कानपुर नगर, ललितपुर में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए एक भी सीट आरक्षित नहीं दी गई है। 544 के सापेक्ष अनुसूचित जाति के लिए 84 सीटें आरक्षित है, जिनमें अनुसूचित जाति की महिलाओं का आरक्षण नियमावली के विपरीत अधिक 61 पद आरक्षित कर 75 फीसदी भागीदारी दी गई है जबकि अनुसूचित जाति पुरूष के लिए 23 पद आरक्षित कर मात्र 27 फीसदी ही दिया गया है।

अनुसूचित जनजाति को एक भी सीट आरक्षित नहीं

नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पद के कुल 199 पद में अनुसूचित जनजाति को एक भी सीट आरक्षित नहीं की गई। नगर निगम के महापौर पद के लिए कुल 17 पदों के सापेक्ष अनुसूचित जाति के लिए 21 फीसदी अनुमन्य आरक्षण के अनुसार 3.57 सीटें आरक्षित होनी चाहिए, जबकि घोषित आरक्षण में केवल दो अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित की गई है। अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 फीसदी अनुमन्य आरक्षण के अनुसार 4.59 सीटें मिलनी चाहिए, लेकिन सिर्फ चार सीटे ही दी गईं। इस तरह अन्य पिछड़ा वर्ग को 23 फीसदी ही आरक्षण दिया गया है। 199 पदों के सापेक्ष अनुसूचित जाति को 24 सीटें आरक्षित है जिसमें अनुसूचित जाति महिलाओं को 16 पद आरक्षित कर 66 फीसदी भागीदारी दी है, जबकि आरक्षण की परिधि में 33 फीसदी होनी चाहिए।

अन्य पिछड़ा वर्ग को 53 सीटें आरक्षित की गई है जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग महिलाओं को आरक्षण नियमावली के विपरीत 23 पद आरक्षित कर 56 फीसदी भागीदारी दी गयी जबकि आरक्षण की परिधि में 33 फीसदी होना चाहिए। प्रतिनिधि मंडल में सर्वेश अम्बेडकर, डॉ. हरिश्चन्द्र सिंह, राधेश्याम सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा थक जाएगी पर राहुल नहीं हटेंगे पीछे : गहलोत

» सिंधिया और आजाद की 'निम्नस्तरीय' भाषा पर की आपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अनुभवी नेता गुलाब नबी आजाद और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर हमला करते हुए कहा कि उनसे राहुल गांधी के खिलाफ ऐसी 'निम्नस्तरीय भाषा के इस्तेमाल की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता थक चुके हैं क्योंकि राहुल गांधी इतने हमलों के बावजूद जनता की आवाज उठाने से पीछे नहीं हटे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसलिए कांग्रेस से गए इन नेताओं को काम दिया गया है. ये सब जिंदगीभर जिस विचारधारा से लड़ने की कसमें खाते थे आज बीजेपी नेताओं के इशारे पर उसी फासीवादी विचारधारा के साथ खड़े हो गए हैं। गौरतलब है कि सिंधिया नेाहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास कोई विचारधारा नहीं बची है। इस कांग्रेस के पास अब केवल एक विचारधारा बची है जो देशद्रोही की है, एक विचारधारा जो देश के खिलाफ काम करती है। वहीं, गुलाम नबी आजाद, जिन्होंने पिछले साल कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी, ने कहा कि राहुल गांधी प्राथमिक कारण हैं कि वह और कई अन्य आज कांग्रेस में नहीं हैं और दावा किया कि किसी को भी कांग्रेस में बने रहने के लिए रीढ़हीन होना चाहिए।

पीएम का कम पढ़ा-लिखा होना देश के लिए खतरनाक: सिसोदिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मनीष सिसोदिया ने जेल से देश के नाम चिट्ठी लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पढ़े लिखे होने का सवाल उठाया है। सिसोदिया ने अपनी चिट्ठी में कहा है कि प्रधानमंत्री का कम पढ़ा लिखा होना देश के लिए बेहद खतरनाक है। सिसोदिया ने लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी विज्ञान की बातें नहीं समझते, वे शिक्षा का महत्व नहीं समझते। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने 60,000 स्कूल बंद किए। भारत की तरक्की के लिए पढ़ा लिखा पीएम होना बेहद जरूरी है।

दिल्ली मॉडल की तर्ज पर अपग्रेड होंगे एमसीडी के स्कूल : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली नगर निगम द्वारा संचालित स्कूलों के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में उन्हें दिल्ली सरकार के स्कूलों की तर्ज पर अपग्रेड किया जाएगा। बैठक के दौरान केजरीवाल ने कहा कि एमसीडी के बेहतरीन स्कूल भी दिल्ली सरकार के स्कूलों के स्तर पर खरे नहीं उतरते। सरकार ने एक बयान में कहा, उन्होंने कई क्षेत्रों की पहचान की, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है, जिसमें स्वच्छता, शौचालय की सुविधा, अत्यधिक बोझ वाले शिक्षक और पर्याप्त संख्या में गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की कमी शामिल है।

कमलनाथ की उम्र हो गई, अब आराम करें

» गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सीएम शिवराज सिंह चौहान के बयान का किया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उज्जैन। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर राजनीतिक टिप्पणी करते हुए कहा कि कमलनाथ जी की उम्र हो गई है। बिना किसी के सहारे से न वे उठ पाते हैं और न ही बैठ पाते हैं। इसीलिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कुछ गलत नहीं कहा है, मुझे ही नहीं अब तो खुद कमलनाथ जी को भी यह मान लेना चाहिए कि उनकी उम्र हो गई।

पत्रकारों के द्वारा पूछे गए सवाल कि कुछ लोगों का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी के नेता पंडित प्रदीप मिश्रा पर कब्जा कर रहे हैं? गृहमंत्री का जवाब था कि किसी संत पर कभी कोई कब्जा नहीं कर सकता। भगवान की भक्ति करना सदमार्ग पर लोगों को ले जाने वाले लोगों का सहयोग करना कोई गलत काम नहीं है। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा बाबा महाकाल के दर्शन करने गुरुवार दोपहर को उज्जैन पहुंचे। महाराष्ट्र सरकार द्वारा बागेश्वर धाम पर दर्ज किए गए मामले को लेकर गृहमंत्री ने कहा कि अभी मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है।

हनुमान जी मध्य प्रदेश में सुख-शांति लाएं : कमलनाथ

छिंदवाड़ा । प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने छिंदवाड़ा में हनुमान जयंती पर सिमरिया स्थित हनुमान मंदिर में परिवार के साथ भगवान बजरंगबली की पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान उनके साथ सांसद नकुलनाथ और उनकी धर्मपत्नी प्रियानाथ भी मौजूद थीं। इससे पहले सांसद नकुलनाथ ने हेलीकॉप्टर से जाम सावली और सिमरिया हनुमान मंदिर में पुष्प वर्षा की। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सिद्ध सिमरिया धाम में अभिषेक पूजन कर जिले, प्रदेश और देश में सुख-शांति और समृद्धि के लिए भगवान संकट मोचन से प्रार्थना की। मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक पूजन अर्चन के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ छोटी बाजार स्थित राम मंदिर के लिए रवाना हुए।

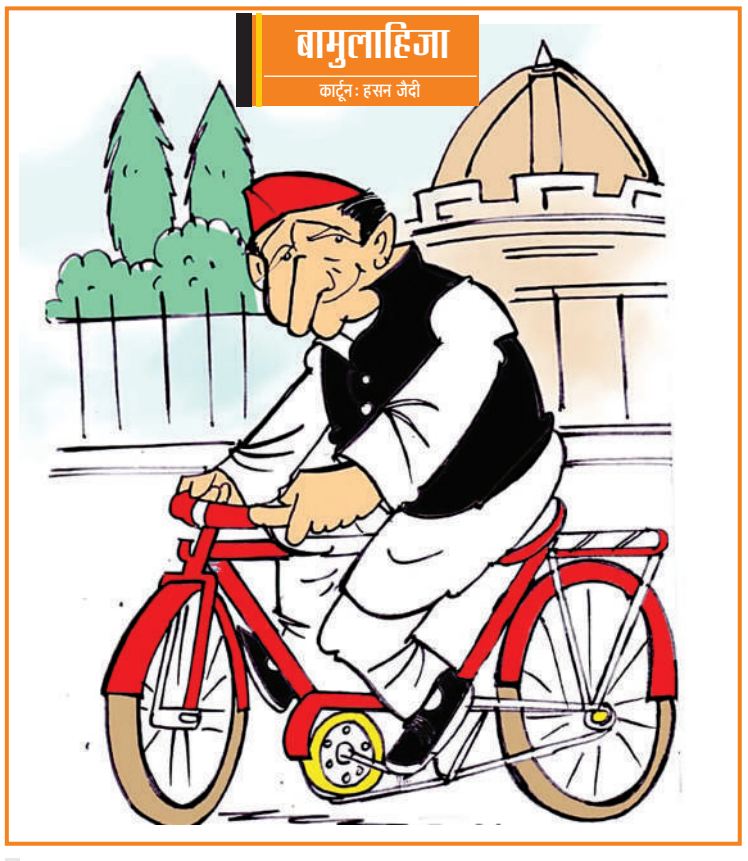

राहुल और प्रियंका गांधी से मिले नवजोत सिंह सिद्धू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू नई दिल्ली में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा से मिले। सिद्धू ने कहा कि उनकी अपने नेताओं और पंजाब राज्य के लिए उनकी प्रतिबद्धता अटल रहेगी। रोडरेज के मामले में एक साल की सजा काटकर गत एक अप्रैल को जेल से रिहा हुए सिद्धू की गुरुवार को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से यह पहली मुलाकात थी। इस संबंध में सिद्धू ने ट्वीट कर जानकारी दी।

उन्होंने लिखा- आज नई दिल्ली में अपने गुरु राहुल जी और मित्र, दार्शनिक, मार्गदर्शक प्रियंका जी से मिला। आप मुझे जेल में डाल सकते हैं, मुझे डरा सकते हैं, मेरे सभी वित्तीय खातों को ब्लॉक कर सकते हैं लेकिन पंजाब और मेरे नेताओं के लिए मेरी प्रतिबद्धता न तो झुकेगी और न ही एक इंच पीछे हटेगी। जेल से रिहा होने के तुरंत बाद सिद्धू ने कहा था कि लोकतंत्र जंजीरों में जकड़ा हुआ है।

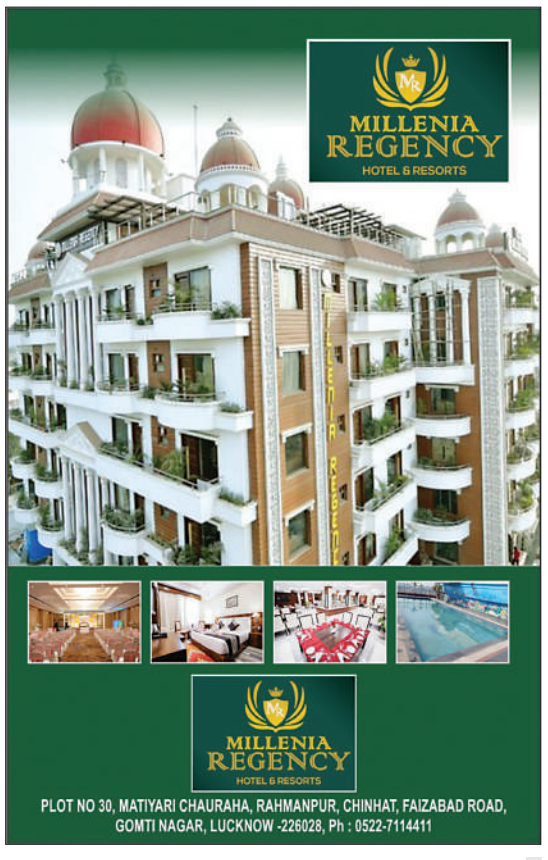

2024 तक दिखेंगे सियासत के कई रंग

- नेता मंदिर से लेकर इबादतगाहों तक पहुंचे
- सबका सपना पीएम हो अपना
- संसद से लेकर लालकिला तक की कार्यक्रमों के बैनरों में जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहे हैं सियासी नजारे परवान चढ़ते जा रहे हैं। कहीं नेता मंदिरों के चक्कर लगा रहे तो कहीं रोजा-इफ्तार पार्टियों में शामिल हो रहे हैं। कुल मिला के सबकी नजर वोटों पर है। हर राजनैतिक पार्टी अपने-अपने हिसाब से अपनी दशा व दिशा बना रही है। सबकी एक ही मंशा है किसी तरह से आगामी 2024 की लोक सभा चुनाव में सीटों से उनकी झोली भर जाए और वह सत्ता की कुर्सी पर काबिज हो जाएं। नेताओं व सियासी पार्टियों की मेहनत कितना कामयाब हो पाती है ये तो चुनाव के परिणाम ही बताएंगे।

लोकसभा चुनाव में बस अब एक साल का समय बचा है। ऐसे में सभी पार्टियां एक तरफ अपनी चुनावी तैयारियों में लग गयी हैं तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री पद की रेस में शामिल विपक्षी नेता लाल किले पर पहुँचने के लिए लालायित हो रहे हैं लेकिन सवाल यह है कि जनता क्या चाहती है? जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव करीब आ रहे हैं वैसे-वैसे कई विपक्षी नेताओं को लाल किले के सपने आ रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दावत ए इफ्तार में गये तो वहां बैकग्राउंड में लाल किले का चित्र लगा हुआ था, लाल किले के चित्र के आगे बैठ कर खजूर खाते हुए नीतीश कुमार ने संभवत: वह ख्वाब एक बार फिर देखा जो वह पिछले काफी समय से देखते आ रहे हैं। इसके अलावा पिछले साल दशहरे पर लाल किला मैदान में लव कुश रामलीला के आयोजन में जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पहुँचे थे तब उनकी नजर लाल किले की उस प्राचीर को ढूँढ रही थी जहां स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री तिरंगा फहराते हैं और देश को संबोधित करते हैं।

> "नेताओं व सियासी पार्टियों की मेहनत कितनी कामयाब हो पाती है ये तो चुनाव के परिणाम ही बताएंगे।"

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव जब दिल्ली में अपनी पार्टी भारत राष्ट्र समिति के कार्यालय का उद्घाटन करने आये थे तो दावा कर गये कि उनकी पार्टी का गुलाबी झंडा एक दिन लाल किले पर भी उड़ान भरेगा। यही नहीं, राहुल गांधी चूंकि लाल किले के अंदर पहुँचने के लिए सबसे ज्यादा मेहनत कर रहे हैं, इसलिए जब उनकी भारत जोड़ो यात्रा ने दिल्ली में प्रवेश किया था तो लाल किले के बाहर खड़े होकर उन्होंने मोदी सरकार को घेरा था।

क्या जनता ऐसे व्यक्ति को प्रधानमंत्री पद पर देखना चाहेगी जिसके राज्य में हिंसा हो रही हो और वह चैन से बैठकर खा रहा हो? क्या जनता ऐसे नेता को प्रधानमंत्री पद पर चाहेगी जो मुफ्त की रेवड़ी की आदत लगाकर सत्ता हासिल करता है और फिर उसके मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाते हैं? क्या जनता ऐसे नेता को प्रधानमंत्री पद पर चाहेगी जो पूरी तरह परिवारवादी हो, बेटे-बेटियों को महत्वपूर्ण पदों से नवाजता हो, । क्या जनता ऐसे व्यक्ति को प्रधानमंत्री पद पर चाहेगी जिसके परिवार के पास ही अधिकांश समय देश की सत्ता रही हो,या जनता ऐसे किसी को पुन: सत्ता देना चाहेगी जो दस साल से शासन में था और उसके कुछ निर्णयों से देश में माहौल बहुत तनाव पूर्ण रहा। बहरहाल, जनता को यह भी देखना होगा कि लाल किले की प्राचीर पर पहुँचने को आतुर विपक्ष के आधा दर्जन नेता कहीं देश को फिर से गठबंधन सरकारों के युग में तो नहीं धकेल देंगे? वही युग जहां प्रधानमंत्री को कोई भी फैसला करने से पहले अपने सभी सहयोगी दलों की मान-मनौव्वल करनी पड़ती है और उनके भ्रष्टाचार पर आंखें मूंदनी पड़ती हैं।

राम व मानस के बाद हनुमान से आस

- जयंती के बहाने वोटों पर नजर
- भाजपा व कांग्रेस की चुनावी तैयारी
- मोदी ने याद दिलाया कार्यकर्ताओं का बल
- राहुल ने कहा गदा से तोड़ेंगे सता का अंहकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राम, रामसेतु, राममंदिर, रामचरित मानस के बाद अब राजनीति के गलियारे में हनुमान जी की एंट्री हो गई है। बीजेपी के स्थापना दिवस पर पीएम मोदी भाजपा कार्यकर्ताओं को भगवान हनुमान जी की तरह उनके बल को याद दिलाकर सत्ता को पुन: प्राप्त करने के मंत्र दे रहे है। तो वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी हनुमान जी की गदा के सहारे सत्ता पर काबिज लोगों को खदेड़ कर खुद अपनी पार्टी को शीर्ष पर पंहुचाना चाहते हैं। जनता सबको देख रही है पर वह क्या करेगी इसका अंदाजा 24 के चुनाव के नतीजे के बाद पता चलेगा।

देश के अलग-अलग राज्यों में गुरुवार को हनुमान जयंती मनाई जा रही है। सोशल मीडिया से लेकर मंदिरों और अलग-अलग जगहों पर बड़े कार्यक्रम हो रहे हैं। एक तरह से हनुमानजी को अपना प्रेरणा स्रोत बताते हुए उनकी न सिर्फ पूजा अर्चना कर रहे हैं, बल्कि मंदिरों में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा भी पढ़ी जा रही है। हनुमान जयंती पर इन आयोजनों के बीच सियासी अखाड में भी हनुमानजी के नाम की जोर आजमाइश चल रही है। भाजपा जहां हनुमानजी की अलौकिक शक्तियों के साथ उनकी खासियतों से अपनी पार्टी को जोड़ रही है, वही कांग्रेस भी सोशल मीडिया पर हनुमान भक्ति में लीन दिखी। भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने जहां हनुमानजी को हनुमान दादा कहकर संबोधित किया, वहीं कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने हनुमान जी की गदा का फोटो लगाकर अपनी आस्था और गदा के सांकेतिक अर्थ भी साझा किए। प्रधानमंत्री मोदी ने हनुमानजी को हनुमान दाद कहा हनुमान जयंती पर कांग्रेस से लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी से लेकर तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी शुभकामनाएं दीं। लेकिन सियासी मैदान के महारथियों की ओर से दी जाने वाली शुभकामनाओं में ऐसे सियासी संदेश चुके थे, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में अब चर्चा होनी शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भाजपा के स्थापना दिवस पर अपने भाषण की शुरुआत ही हनुमानजी की शक्तियों और उनकी विशेषताओं को लेकर की। ठीक इसी तरह भाजपा भी इन समस्याओं से मुकाबला करने के लिए मजबूती के साथ संकल्प बद्ध है। अपने भाषण के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हनुमानजी को हनुमान दाद कहकर संबोधित करते हुए उनके आशीर्वाद की कामना की और जनता जनार्दन को ईश्वर का रूप बताया।

राहुल गांधी गदा के साथ आए

हनुमान जयंती पर कांग्रेस के राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दी। हालांकि जिस अंदाज में राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दी हैं, उसे लेकर भी सियासी गलियारों में अलग-अलग तरह की चर्चाएं हैं। दरअसल राहुल गांधी ने हनुमान जयंती पर हनुमानजी की कोई भी तस्वीर ना पोस्ट करते हुए उनकी गदा को पोस्ट किया है। अब राहुल गांधी की गदा पोस्ट करने के बाद चर्चाएं हो रही हैं कि क्या राहुल गांधी ने हनुमान जी की गदा के माध्यम से सियासी युद्ध के उद्घोष का संदेश दिया है। कांग्रेस पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेता कहते हैं कि हनुमानजी और उनकी गदा कि सियासी मायने निकालने का कोई मतलब नहीं है। उनका कहना है कि हनुमानजी की गदा अन्याय न सहने का वह संबल है, जो कि अन्याय की लड़ाई में न्याय की राह पर आगे चलता है। उनका कहना है जिस तरीके से रावण ने अधर्म को बढ़ावा देकर खुद को ही सर्वशक्तिमान मानते हुए अहंकारी हो गया, तो हनुमान जी की गदा ने रावण के अहंकार को तोड़ दिया था।

जनता की पैनी नजर

सियासी गलियारों में चर्चा इस बात की हो रही है कि कांग्रेस और भाजपा समेत आम आदमी पार्टी और अन्य ने पार्टी के नेताओं की ओर से हनुमान जयंती पर दी गई बधाईयों के कितने सियासी मायने हैं। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि सिर्फ हनुमान जयंती ही नहीं तमाम अन्य जयंतियों पर लगातार देखा जाता है कि राजनीतिक दल अपने अपने सियासी एजेंडे के साथ दिखते हैं। सियासी विश्लेषकों का कहना है कि प्रभु श्रीराम के साथ-साथ हनुमानजी और अन्य देवी देवताओं का सियासत में पहले से राजनैतिक दल अपने राजनैतिक लाभ के लिए इनका इस्तेमाल करते आए है। हालांकि कोई भी राजनीतिक दल इसे राजनीतिक तौर पर प्रकट नहीं करता है, बल्कि उसे आस्था के रूप में देश की जनता के बीच लेकर जाता है। जनता को इस बात का पूरा अंदाजा होता है कि किस भाव से देवी देवताओं का नाम लिया जा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मिलकर निकालें समाधान

संसद का बजट सत्र इस बार पूरी तरह से हंगामें की भेट चढ़ गया। कामकाज के नाम कुछ खास नही हो सका। पहली बार देखने को मिला सत्तापक्ष की वजह से सदन में कार्य नही हो पाया। ऐसा नहीं की केवल सत्तापक्ष की पार्टी की ही गल्ती है कहीं न कहीं विपक्ष की जिद की वजह से भी विधायी कार्य सुचारु रूप से नहीं हो पाए। ऐसा होना आमजन के लिए हानिकारक होता है। जनहित के कई मुद्दे ऐसे होते हैं जिन्हें सांसद उठाना चाहते हैं परंतु कार्यवाही ठप होने की वजह से ऐसा नहीं कर पाते हैं।

सत्र के अंतिम दिन भी लोकसभा और राज्यसभा (में कोई काम नहीं हो सका और कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गई। कांग्रेस नेता राहुल गांध की अयोग्यता का विरोध करने के लिए कई विपक्षी सदस्य काले कपड़े पहनकर आए। जबकि बीजेपी के ज्यादातर सांसदों ने भगवा पट्टा पहना था। संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि बजट सत्र के दूसरे चरण में लोकसभा में उत्पादकता केवल 34 प्रतिशत रही जबकि राज्यसभा में उत्पादकता केवल 24 फीसदी रही। दोनों सदनों में वित्त विधेयक को मिलाकर 8 नए बिल पेश किए गए। जबकि दोनों सदनों से कुल 6 बिल पारित किए गए।

हम चाहते थे कि वित्त विधेयक पर चर्चा हो, इसके लिए हमने कहा था कि अगर स्पीकर कहें तो वित्त विधेयक पर चर्चा के लिए सत्ता पक्ष अपनी मांग पर पीछे हटने को तैयार है अगर विपक्ष भी अपनी मांग से पीछे हट जाए, लेकिन विपक्ष इसके लिए राजी नहीं हुआ। मुद्दा जेपीसी नहीं बल्कि कुछ और है. वो चाहते हैं कि राहुल गांधी के लिए अलग कानून बने। एक अच्छी बात रही कांग्रेस, बीआरएस, टीएमसी और सपा समेत कई विपक्षी दलों ने संसद के बजट सत्र के आखिरी दिन एकजुटता दिखाते हुए आगे भी मिलकर काम करने का संकल्प लिया और आरोप लगाया कि इस सत्र में कार्यवाही बाधित रहने के लिए पूरी तरह सरकार जिम्मेदार है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने माहौल को शांत व खुशनुमा हो इसके लिए शाम को चाय पार्टी का आयोजन किया। विपक्ष नेकहा सत्तापक्ष की तरफ से संसद की कार्यवाही में बार बार व्यवधान डाला गया। ऐसा पहली बार हुआ है। क्यों मोदी जी एक ही व्यक्ति को इतनी चीजें दे रहे हैं? केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा विपक्ष की ऐसे आरोप लगाने की आदत हो चुकी है। पर अब जो हो चुका है उसको भूलकर माननीयों को आगे आने वाले सत्र को ठीक से चलाने की जिम्मेदारी लेनी होगी। सत्ता पक्ष व विपक्ष को बैठकर आम सहमति से सदन को चलाने पर विचार करना चाहिए ताकि जनता से जुड़े कार्य संपन्न हो सकें।

सत्र के अंतिम दिन भी लोकसभा और राज्यसभा (में कोई काम नहीं हो सका और कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ गई। कांग्रेस नेता राहुल गांध की अयोग्यता का विरोध करने के लिए कई विपक्षी सदस्य काले कपड़े पहनकर आए। जबकि बीजेपी के ज्यादातर सांसदों ने भगवा पट्टा पहना था। संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि बजट सत्र के दूसरे चरण में लोकसभा में उत्पादकता केवल 34 प्रतिशत रही जबकि राज्यसभा में उत्पादकता केवल 24 फीसदी रही।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गांवों को विकास विमर्श के केंद्र में लाएं

भारत डोगरा

स्वतंत्रता आंदोलन भारतीय इतिहास का सबसे प्रेरणादायक अध्याय रहा है और इसके अनेक विचार आज भी मार्गदर्शन के लिए बेहद सार्थक हैं। 'स्वराज' व 'ग्राम स्वराज' ऐसे ही प्रेरक विचार हैं जिनकी सार्थकता आज तक न केवल बनी हुई है अपितु अनेक संदर्भों में बढ़ भी रही है। निश्चय ही 'स्वराज' का उद्देश्य केवल विदेशी शासकों को भगाने तक सीमित नहीं था, और महात्मा गांधी ने तो 'स्वराज' के कहीं अधिक विशाल व व्यापक संदर्भ को बहुत स्पष्टता से प्रतिष्ठित किया था। 'स्वराज' की व्यापक सोच आत्म-निर्भरता प्राप्त करने और किसी भी साम्राज्यवादी ताकत या प्रवृत्ति के विरोध से जुड़ी है, जो आज भी बहुत महत्वपूर्ण है।

स्वराज की सोच का एक महत्वपूर्ण पक्ष है 'ग्राम स्वराज' जिसका महत्व विश्व की मौजूदा समस्याओं के समाधान के रूप में बढ़ रहा है। 'ग्राम-स्वराज' के विचार के तीन महत्वपूर्ण पक्षों की ओर ध्यान दिलाना जरूरी है। पहला पक्ष तो यह है कि गांव को विकास के विमर्श के केन्द्र में लाना चाहिए, अधिक महत्व देना चाहिए। विकास की मौजूदा सोच में शहरीकरण को विकास के पर्याय के रूप में पहचाना जाता है यानी आर्थिक विकास आगे बढ़ेगा तो मुख्य रूप से शहरीकरण के साथ। 'ग्राम-स्वराज' की सोच इस सोच को चुनौती देती है व कहती है कि मनुष्य की प्रगति मूलत: ग्राम व ग्रामीण समुदाय आधारित होनी चाहिए। मौजूदा दुनिया की एक महत्वपूर्ण पहचान यह है कि जलवायु बदलाव के साथ लगभग दस-ग्यारह अन्य गंभीर पर्यावरण समस्याएं इतनी घातक स्थिति में पहुंच चुकी हैं कि विकसित देशों के विनाशक विकास के कारण धरती की मूल जीवनदायिनी क्षमताएं ही संकटग्रस्त हो चुकी हैं। इस स्थिति में सबसे बड़ी मानवीय जिम्मेदारी इन पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान की है व पर्यावरण रक्षा के विभिन्न कार्यों के लिए अधिकतर संभावनाएं ग्रामीण परिवेश में हैं। कहने का अर्थ यह नहीं है कि शहरों में पर्यावरण रक्षा के कार्यों की संभावनाएं नहीं हैं। निश्चय ही वहां भी बहुत संभावनाएं हैं पर सबसे अधिक संभावनाएं ग्रामीण परिवेश में हैं।

महात्मा गांधी ने इसे बहुत पहले पहचानते हुए सादगी के जीवन पर जोर दिया व इसके लिए ग्रामीण जीवन को बेहतर माना। आधुनिक संदर्भ में कहें तो अधिक पौधारोपण और मिट्टी के आर्गेनिक तत्व बढ़ने से ग्रीनहाउस गैसों को सोखने की क्षमता बहुत बढ़ती है जबकि खेती में रासायनिक खाद, कीटनाशक दवा, डीजल आदि का उपयोग कम करने से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की संभावना अत्यधिक कम

होती है। कृषि को आत्म-निर्भर व सस्ती करने से जलवायु बदलाव अनुकूलन में सहायता मिलती है। वनों की रक्षा भी इस संदर्भ में अति महत्वपूर्ण है। ग्राम-स्वराज की सोच के साथ यह अनिवार्य तौर पर जुड़ा है कि ग्राम-समुदाय में एकता व भाईचारा हो, जिसकी बुनियादी जरूरत यह है कि ग्रामीण समुदाय में कोई सामाजिक भेदभाव न हो व आर्थिक समानता के आधार पर सभी गांववासी मिलकर बैठें और समान हकदारी से गांव की भलाई के कार्यों में योगदान दें। ग्राम-समुदाय अपनी सोच के आधार पर विकास की राह तय करें, उन पर बाहर से कुछ थोपा न जाए न कोई दबाव हो। इस तरह ग्राम-स्वराज की सोच के तीन मुख्य पक्ष हैं- विकास की बुनियादी इकाई के रूप में (शहर के स्थान पर) ग्राम को प्रतिष्ठित करना, ग्राम में पर्यावरण रक्षा को बहुत अधिक महत्व देना (जिससे टिकाऊ विकास भी सुनिश्चित होगा) व गांव की हकदारी को, अपना विकास मार्ग चुनने की स्वतंत्रता को हर स्तर पर गांववासियों की समानता के आधार पर प्रतिष्ठित करना, बढ़ाना। ग्राम-स्वराज की यह सोच केवल ग्राम-विकास के लिए ही कल्याणकारी नहीं है अपितु विश्व की महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान में भी सहायक है- पर्यावरण की रक्षा में, साम्राज्यवाद के विरोध में, लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने में। विश्व में जिस तरह जगह-जगह छोटे किसानों को संकटग्रस्त व विस्थापित किया जा रहा है, वह ग्राम-स्वराज की सोच से रोका जा सकता है व छोटे किसानों की टिकाऊ आजीविका की रक्षा की जा सकती है। इस तरह विश्वस्तर पर भी ग्राम स्वराज की सोच बहुत सार्थक है। साथ में ग्राम-स्वराज की सोच मूलत: स्वराज की व्यापक सोच से जुड़ी है व इस तरह मूलत: आत्म-निर्भरता बढ़ाने व साम्राज्यवाद के विरोध से जुड़ी है। अत: बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कृषि व बीज पर बढ़ते नियंत्रण, बीज के पेटेंट व जीएम फसलों के विरोध से यह सोच बुनियादी तौर पर जुड़ी है।

यह सोच समाज-सुधार से व विशेषकर यह हर तरह के नशे को कम करने, महिलाओं की सामाजिक भूमिका को बढ़ाने व हर तरह के आपसी झगड़ों, मुकदमेबाजी व भ्रष्टाचार के माध्यम से गांवों की लूट को दूर करने से भी जुड़ी है। इस तरह के ग्राम स्वराज से स्थानीय संदर्भ में अमन-शांति भी बढ़ेगी, जिससे विश्व स्तर पर भी अमन-शांति की बुनियाद तैयार होगी।

दक्षिण के द्वार के लिए सियासी संग्राम

वेद विलास उनियाल

दक्षिण के द्वार कहे जाने वाले कर्नाटक राज्य विधानसभा चुनाव में बीजेपी और कांग्रेस कड़ी अग्निपरीक्षा से गुजर रहे हैं। कर्नाटक के चुनाव ऐसे समय पर हो रहे हैं जब देश की सियासत में कई बातों को लेकर खासा हंगामा मचा है। एक तरफ सूरत की निचली अदालत के फैसले के बाद राहुल गांधी की सदस्यता खत्म होने पर कांग्रेस के समर्थन में पूरा विपक्ष पूरे तेवर के साथ खड़ा है। वहीं बीजेपी भी राहुल के ब्रिटेन में दिए बयान के बाद माफी मांगने तक पीछे हटने को तैयार नहीं है। इस सियासी संग्राम का कर्नाटक चुनावों पर कितना असर पड़ेगा यह भविष्य के गर्भ में है। लेकिन बढ़ते चुनाव अभियान के साथ इसकी गूंज जरूर सुनाई देगी। राज्य में सियासी समीकरणों को साधने की कोशिश कांग्रेस, बीजेपी कर रही हैं। तीसरी शक्ति जेडीएस अपने गढ़ में दबदबा बनाए रखने की कोशिश में है। किसी स्थिति में वह किंगमेकर की भूमिका में भी दिखने की कोशिश करेगी। जहां कांग्रेस को राज्य में सत्ता विरोधी लहर को भुनाने की आस है, वहीं बीजेपी सत्ता को बनाए रखने को पूरी ताकत झोंक रही है।

कर्नाटक की सियासत में भी हर पांच साल में सत्ता परिवर्तन का ट्रेंड 38 सालों में चला है। केवल 1985 में जनता पार्टी के समय रामकृष्ण हेगड़े ने दोबारा सरकार बनाई थी। कर्नाटक में भी कांग्रेस इसी कोशिश में है कि सत्ता के बदलाव का ट्रेंड चले। कांग्रेस राज्य में महंगाई-भ्रष्टाचार के मुद्दों को उठाने के साथ लुभावने वादे भी जनता से कर रही है। इनमें दस लाख रोजगार के साथ गृहलक्ष्मी योजना में दो हजार रुपये प्रति माह देने का आश्वासन भी है। मुफ्त बिजली के भी नारे हैं। पूर्वोत्तर में हालिया हार के बाद कांग्रेस के लिए कर्नाटक चुनाव की बड़ी अहमियत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 9 अप्रैल को उसी कोलार से सत्यमेव जयते कार्यक्रम शुरू करने वाले हैं, जहां पिछले लोकसभा चुनाव में दिए गए भाषण पर उन्होंने अपनी सदस्यता गंवाई है। कांग्रेस इसे प्रतीक बना रही है। यह दिन इसलिए चुना गया है कि उसी दिन पीएम मोदी का कर्नाटक का दौरा है। दरअसल, कांग्रेस का राज्य में वोट प्रतिशत 35 से 40 के बीच रहा है।

2018 में भी 78 सीटों के साथ भले बीजेपी से बहुत पीछे थी, लेकिन उसका वोट प्रतिशत बीजेपी से दो प्रतिशत ज्यादा था। कांग्रेस को वोट प्रतिशत के साथ अपनी सीटों की संख्या को बढ़ाने की चुनौती है। लेकिन कांग्रेस के लिए प्रचार हेतु राष्ट्रीय स्तर पर केवल राहुल गांधी ही बड़े नेता हैं। हालांकि, कांग्रेस के नए अध्यक्ष बने मल्लिकार्जुन खड़गे हैदराबाद से सटे इलाके गुलबर्ग से आते हैं। राज्य में कांग्रेस मुस्लिम-दलित वोटों को संभावना के तौर पर देख रही है। कांग्रेस केवल राज्य की सत्ता के लिए ही नहीं बल्कि अपने सियासी वर्चस्व के लिए उस दौर को याद कर रही है जब आपातकाल के चलते सत्ता खोने के बाद कर्नाटक से ही कांग्रेस को संजीवनी मिली थी। उल्लेखनीय है कि भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने बीस दिन कर्नाटक को दिए। कांग्रेस को आस है कि कर्नाटक की सफलता राष्ट्रीय राजनीति में वापसी के साथ उसके कुछ सियासी संशय को दूर करने में मदद करेगी। खासकर यह देखते हुए कि पिछले कुछ चुनाव में कांग्रेस को केवल हिमाचल में सफलता मिली है।

लेकिन कांग्रेस के सामने कुछ बड़ी चुनौतियां भी हैं। कांग्रेस इस समय अपने दो बड़े नेताओं डीके शिव कुमार और सिद्धारमैया के अंतर्द्वंद्व से जूझ रही है। हालांकि कांग्रेस ने तेजी से 125 नामों वाली सूची जारी करके यह साबित करने की कोशिश की है कि पार्टी में मतभेदों को पाट दिया गया है। लेकिन यह जितना ऊपरी तौर पर दिखता है उतना धरातल पर नहीं। कांग्रेस की गति को तटीय कर्नाटक और दक्षिण कर्नाटक जैसे इलाकों में जेडीएस भी कई जगहों पर पलीता लगाने के लिए तैयार रहती है। सामाजिक समीकरणों में देखें तो कांग्रेस के दो बड़े नेता कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार और और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। कर्नाटक में मांड्या, मैसूर, कोलार, तुमकुर, चिक्काबल्लापुर जैसे जिलों में वोक्कालिगा का अपना प्रभाव है। वोक्कालिगा पर जेडीएस का प्रभाव रहा है। देवेगोड़ा और उनके बेटे कुमारस्वामी वोक्कालिगा समुदाय से आते हैं। कांग्रेस को आस है कि जेडीएस के वोक्कालिगा समुदाय में सेंध लग सकती है। बीजेपी के दक्षिण की सियासत में प्रभाव बढ़ाने हेतु कर्नाटक और तेलंगाना बड़े आधार रहे हैं। कर्नाटक में सत्ता वापसी को बीजेपी पूरा दमखम लगा रही है। बीजेपी के बड़े नेता पिछले तीन महीने से कर्नाटक में डटे हुए हैं। अकेले पीएम मोदी ने ही इस बीच सात बार राज्य का दौरा किया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दस सार्वजनिक कार्यक्रमों में शिरकत की है।

बीजेपी रणनीति के तहत केंद्र राज्य की विकास योजनाओं के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश में है। कर्नाटक में मोदी मैजिक चलाने की तैयारी है। बीजेपी बंगलुरू मैसूर एक्सप्रेस वे, शिवमोगा में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट और धारवाड़ में आईआईटी कैंपस जैसी योजनाओं का जिक्र करके जनता को अहसास करा रही है कि राज्य की प्रगति केंद्र और राज्य में बीजेपी सरकार के रहते संभव है। बीजेपी में कई विधायकों के टिकट कटने के पूरे आसार हैं। बीजेपी ने राज्य में दो बार 100 का आंकड़ा पार किया है। लेकिन उसके सामने वोट शेयर बढ़ाने की चुनौती है। बीजेपी ने जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश की है। राज्य में 17 प्रतिशत वाले लिंगायत समुदाय पर बीजेपी की अच्छी पकड़ है। खासकर उत्तरी कर्नाटक में लिंगायतों का खासा प्रभाव है।

बेसन-हल्दी निखारे त्वचा की रंगत

बेसन, शहद और हल्दी का पैक

सबसे पहले दो चम्मच बेसन लेकर उसमें एक चुटकी हल्दी मिला लें, अब उसमे एक चम्मच शहद मिलाकर अच्छी तरह फेंटकर पैक बना लें। यह पैक चेहरे पर लगाने के 20 मिनट बाद पानी से चेहरा धो लें। आपके चेहरे पर एक नया निखार आ जाएगा।

टैनिंग से दिलाए छुटकारा

तेज धूप अगर आपके चेहरे की रंगत छीन ले तो आप बेसन हल्दी की मदद से अपना खोया हुआ निखार वापस पा सकते हैं। टैनिंग दूर करने के लिए 1 चम्मच बेसन, चुटकी भर हल्दी, आधा नींबू और थोड़े पानी को मिक्स कर लेप बनाएं। इस लेप को टैन एरिया पर लगाएं।

गर्दन को करे साफ

चेहरे के बाल हटाने के साथ-साथ बेसन और हल्दी से बने इस लेप को आप गर्दन पर भी रगड़ सकते हैं। इससे गर्दन का रंग हल्का हो जाएगा। इस पेस्ट को हफ्ते में 2 से 3 बार लगाएं। कुछ ही दिनों में आपको फर्क दिखने लगेगा।

चेहरा से दाग धब्बे मिटाएं

चेहरे की हल्के दाग धब्बे और अनइवन स्किन टोन को दूर कर चेहरे को बेदाग बनाने के लिए बेसन लगाएं। इसके लिए 1 चम्मच बेसन में दूध हल्दी और गुलाब जल डालकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और सूखने के बाद पानी से धो लें।

बेसन और केले का फेस पैक

केला विटामिन-सी से भरपूर होता है । विटामिन-सी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाता है और उम्र से पहले झुर्रियां पड़ने से रोकता है। साथ ही, यह त्वचा की इलास्टिसिटी भी बनाए रखता है। केले के साथ मिल कर बेसन के गुण दोगुने हो जाते हैं। केलों को एक बाउल में अच्छी तरह मेश कर लें और उसमे दो चम्मच बेसन मिला लें। अब इसमें आवश्यकतानुसार गुलाब जल या दूध मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट तक रखें। अंत में चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। इस प्रक्रिया को हफ्ते में एक या दो बार करें।

बेसन, हल्दी, नींबू और मलाई का पैक

पहले 2 चम्मच बेसन में चुटकीभर हल्दी, एक चम्मच नींबू का रस और दो चम्मच मलाई मिलाएं। अब इस पैक को चेहरे पर लगा लें। सूखने के बाद चेहरे को साफ़ पानी से धो लें। यह रूखी त्वचा के लिए कमाल का पैक है। मलाई से चेहरे की नमी बनी रहती है और बेसन, हल्दी और नींबू से चेहरे की रंगत निखरती है।

दूध, बेसन और हल्दी का पैक

हल्दी में करक्यूमिन नामक रसायन पाया जाता है। करक्यूमिन त्वचा के दाग-धब्बों को कम करके त्वचा के ऊपर एक सुरक्षा कवच जैसा बना देता है। दूध स्किन टोन को निखारता है। बेसन त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाता है। ये पैक बनाने के लिए एक कटोरी में कच्चा दूध लें और उसमें एक बड़ा चम्मच हल्दी और बेसन मिलाएं। इसे अपनी आंखों को छोड़कर पूरे चेहरे पर लगा लें। जब यह सूख जाए तो गुनगुने पानी से धो लें।

आपके किचन में मौजूद बेसन और हल्दी में छिपा है आपकी खूबसूरती का राज। जी हां. ये आपके चेहरे को निखारने और बेदाग बनाने में कारगर है। इसका इस्तेमाल सदियों से किया जाता रहा है। हल्दी में ऐंटी-बैक्टीरियल और ऐंटी-इंफ्लैमेटरी गुण होता है, जो आपकी त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है। वहीं बेसन में मौजूद ऐंटी-माइक्रोबियल त्वचा की गंदगी को सोख लेता है। हल्दी और बेसन के लेप को प्राकृतिक साबुन के तौर पर भी प्रयोग किया जाता है। अगर आप चेहरे पर बार-बार ऑयल आने की समस्या से परेशान हो तो बेसन, हल्दी और दही को मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। इसके लिए 1 चम्मच बेसन और उसी मात्रा में दही (टोन्ड मिल्क से बना हुआ) लें। इसमें एक चिटकी हल्दी डाल लें और अच्छे से मिक्स कर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। 10 से 15 मिनट बाद चेहरे को धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए इस नुस्खे को हफ्ते में 2 बार करें। कई लड़कियां फेशियल हेयर से काफी परेशान रहती हैं। इन बालों को हटाने के लिए वो पार्लर में कई तरह की वैक्स का सहारा लेती हैं।

बेसन और नीम का फेस पैक

नीम और बेसन का फेस पैक लगाने से आपको चहरे की झुर्रियों से आराम मिल सकता है। नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो स्किन एजिंग और झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं । एक बाउल में सारी सामग्री मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। पूरी तरह सूख जाने पर, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इस प्रक्रिया को हफ्ते में दो बार दोहराएं।

हंसना मना है

टीचर गोलू से- पांच में से पांच घटाने पर कितने बचेंगे? गोलू- पता नहीं मैडम। टीचर- अगर तेरे पास 5 भटुरे हैं, और 5 भटुरे तुझसे मै ले लूं तो तेरे पास क्या बचेगा? गोलू- ..छोले।

टीचर- होमवर्क क्यों नहीं किया ..स्टूडेंट - सर, लाइट नहीं थी, टीचर- तो मोमबत्ती जला लेते, स्टूडेंट- सर, माचिस नहीं थी, टीचर -क्यों नहीं थी? स्टूडेंट- पूजा घर में राखी हुई थी, टीचर- तो वहां से ले आते, स्टूडेंट- नहाया हुआ नहीं था, टीचर - क्यों, स्टूडेंट- पानी नहीं था सर, टीचर- क्यों, स्टूडेंट- सर मोटर नहीं चल रही थी, टीचर- क्यों, स्टूडेंट- उल्लू के पट्ठे बताया तो था लाइट नहीं थी!

टीचर- 1 से 10 तक गिनती सुनाओ। संता ..1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 9, 10.. टीचर- 6 कहां है? संता-जी वो तो मर गया। टीचर -मर गया? कैसे? संता-जी मैडम, आज सुबह टीवी पर न्यूज में बता रहे थे कि स्वाईन फलू में 6 की मौत हो गई!

सोनू एलकेजी में पढ़ता था, एक बार लगातार 4 दिनों से स्कूल में देर से आने पर मैडम ने कहा-तुम इतना लेट स्कूल क्यों आते हो? सोनू- मैडम, आप मेरी इतनी चिंता मत किया करें, बच्चे गलत समझते हैं!

कहानी | गरीब का झोला

तुर्की के महान दार्शनिक मुल्ला नसरुद्धीन बहुत चालाक और मजेदार आदमी थे। एक बार की बात है मुल्ला जी कहीं जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने एक गरीब आदमी को देखा। गरीब आदमी बिल्कुल फटे हाल था और उसके पास एक झोला था। वह बहुत ही दुखी दिखाई दे रहा था और अपने नसीब को कोस रहा था। मुल्ला नसरुद्धीन ने उस आदमी से बात करना शुरू कर दिया। मुल्ला नसरुद्धीन-अरे भाई! क्या हुआ? तुम बड़े परेशान दिखाई दे रहे हो। आदमी बोला-क्या कहूं मुल्ला जी, इस दुनिया में कितना कुछ है, फिर भी मेरी झोली खाली है। मुझसे ज्यादा बदनसीब कोई नहीं है। मुल्ला नसरुद्धीन गरीब का झोला देखकर बोले, यह तो बहुत ही बुरी बात है और उस गरीब का झोला लेकर भाग गए। आदमी चिल्लाते हुए मुल्ला नसरुद्धीन के पीछे भागा-अरे मेरा झोला! अरे मेरा झोला! थोड़ी दूर तक आदमी को भगाने के बाद मुल्ला नसरुद्धीन ने वो झोला सड़क के बीचों-बीच रख दिया और खुद छुप गए। आदमी ने झोला सड़क पर देखा, तो बहुत खुश हुआ। वह झोला उठाकर खुशी से झूमने लगा। मुल्ला नसरुद्धीन गरीब का झोला छुपकर देख रहे थे, वो भी मन ही मन मुस्कुराये और सोचने लगे- थोड़ा टेढ़ा ही सही, लेकिन आदमी को खुश करने का अच्छा तरीका है।

कहानी से सीख- हमारे पास जो भी है, हमें उसमें संतुष्ट रहना चाहिए, क्योंकि कुछ लोगों के पास उतना भी नहीं होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज परिजनों के साथ आनंदपूर्वक समय व्यतीत होगा। लंबे समय से चले आ रहे संपत्ति से संबंधित विवाद हल होंगे। क्रोध को अपने ऊपर हावी ना होने दें।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। व्यापार में जबरदस्त सफलता मिलेगी। कोई खास प्रॉफिट आपके हाथ लग सकता है। साथ काम करने वालों से आपको खुशी मिलेगी।

मिथुन

आज घर के किसी काम की गति धीमी हो सकती है। इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे।

कर्क

आज का दिन परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा व्यतीत होगा। प्राचीन यादों को जेहन में जिंदा कर दोस्ती को फिर से तरोताजा करने का वक्त है।

सिंह

आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। घर परिवार पर ध्यान देंगे। घरेलू खर्चों में धन अच्छा खासा जाएगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आज आपको अचानक धन लाभ होगा। आपकी कई योजनाएं समय से पूरी हो जायेंगी। परिवार में सब लोग खुश रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको जल्द ही सफलता मिलेगी।

तुला

आज मानसिक संतुलन बनाये रखें। करियर और प्रोफेशन के लिए समय सामान्य है। शाम का वक्त मित्रों के साथ बिताना रोचक रहेगा।

वृश्चिक

आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापारियों के लिए बेहद खास दिन रहेगा। आपके प्रोडक्ट की डिमांड बढ़ेगी, जिससे इनकम अच्छी होगी।

धनु

आज किसी काम के लिए बनाई गई योजना सफल रहेगी। इस राशि के साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी।

मकर

आज आप अपनी जिंदगी को लेकर कुछ तनाव में रहेंगे। तनाव कम करने के लिए आपको अपने दोस्तों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना चाहिए।

कुम्भ

आपके लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। खर्चे तो जरूर रहेंगे लेकिन फिर भी और दिनों के मुकाबले कुछ कम होंगे। इनकम थोड़ी बढ़ेगी।

मीन

आज आपको परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपको छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से बचना चाहिए। इससे आपका ही नुकसान हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

हिट फिल्म देने के बाद भी महीनों बैठा रहा बेरोजगार : विवेक ओबेराय

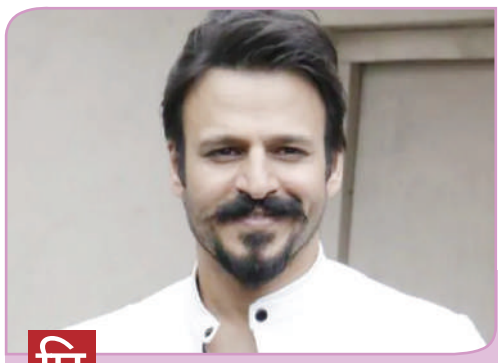

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में इंडस्ट्री में हो रही गंदी राजनीति और अपने बॉलीवुड छोड़ने की वजह का खुलासा करते हुए कहा था कि उन्हें एक कोने में धकेला जा रहा था। इसके बाद से इंडस्ट्री में मची सनसनी के बीच कई सेलेब्स ने अपना दर्द बयां किया। वहीं, अब विवेक ओबेरॉय भी प्रियंका के समर्थन में आए और उन्होंने अपने दर्द भी साझा किया। विवेक ने इंडस्ट्री के काले चिट्ठे खोलते हुए अपने बुरे दौर के बारे में बात की। वहीं, उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की मौत पर भी प्रतिक्रिया दी। दरअसल, बिना नाम लिए विवेक ने सलमान खान के खिलाफ इशारा किया है। विवेक के साथ बॉलीवुड में राजनीति तब शुरू हुई, जब उन्होंने साल 2003 में सलमान खान के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और कहा था कि सलमान ने उन्हें धमकी दी थी, क्योंकि वह कथित तौर पर ऐश्वर्या राय को डेट कर रहे थे, जो इससे पहले सलमान के साथ रिलेशन में थीं। अब अपने बुरे दौर को याद करते हुए विवेक ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा कि मुझे खुशी है कि मैं इससे बाहर आया। मैं एक तरह से अग्नि परीक्षा के माध्यम से इन सब चीजों से ऊपर आया और बच गया, लेकिन हर कोई इतना भाग्यशाली नहीं होता है। विवेक ने प्रियंका के बयानों का समर्थन करते हुए कहा कि आखिरकार मैं बहुत सी चीजों से गुजरा, जो जरूरी नहीं थी। बहुत सारी लॉबी, बहुत सारी दमदार कहानियां, प्रियंका भी इसी तरफ इशारा कर रही हैं। दुर्भाग्य से यह हमारी इंडस्ट्री की पहचान रहा है। यह हमारी इंडस्ट्री के डार्क साइड में से एक रहा है और मैं इससे गुजरा हूं। विवेक ने खुलासा किया कि साल 2007 में हिट फिल्म शूटआउट एट लोखंडवाला में अवॉर्ड विनिंग परफॉर्मेंस देने के बाद भी उन्हें 14 महीने तक घर में ही बैठना पड़ा। उन्हें कोई काम नहीं मिला। अभिनेता ने कहा कि इंडस्ट्री बहुत असुरक्षित जगह है। मैंने खुद को संभाला और इन चीजों से निकलने की सोची और सफलता पाई। मैंने इसके खिलाफ आवाज उठाई।

खोए हुए प्यार को ढूंढती दिखीं सामंथा रुथ प्रभु

शाकुंतलम का दूसरा धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड | मसाला

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी आगामी फिल्म शाकुंतलम के लिए सुर्खियां बटोर रही हैं। जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज डेट पास आती जा रही है, वैसे-वैसे सामंथा इसके प्रमोशन को और रफ्तार से आगे बढ़ा रही हैं। यह फिल्म कालिदास के लोकप्रिय नाटक अभिज्ञान शाकुंतलम पर आधारित है। फैंस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जहां फैंस को फिल्म का पहला ट्रेलर खूब पसंद आया था, वहीं अब प्रशंसकों की उत्सुकता को और बढ़ाते हुए मेकर्स ने शाकुंतलम का दूसरा ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है। इसे देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं क्योंकि ट्रेलर से साफ हो गया है कि उन्हें फिल्म में रोमांस, ड्रामा और वॉर तीनों का तड़का देखने को मिलेगा।

जनवरी में शाकुंतलम का पहला ट्रेलर रिलीज करने के बाद, सामंथा और फिल्म के निर्माताओं ने आज यानी 5 अप्रैल को 3डी में फिल्म का दूसरे ट्रेलर फैंस के सामने पेश कर दिया है। शानदार वीएफएक्स और बेहद सुंदर दृश्यों से सजे इस ट्रेलर ने फिल्म से फैंस की उम्मीदों को और बढ़ा दिया है। सामने आए ट्रेलर में दर्शकों को रोमांस, ड्रामा और फाइट सीक्वेंस देखने को मिलेंगे।

प्यार के लिए तड़पती दिखीं सामंथा

ट्रेलर की शुरुआत सामंथा और देव मोहन की प्यार भरी कहानी से होती है, जो धीरे-धीरे हिंसक रूप ले लेती है। शाकुतला का अपने प्यार के लिए तड़पना और उसे पाने की इच्छा में कुछ भी कर गुजरना फैंस की आंखों में आंसू ले आया है। सामंथा अपने अभिनय कौशल से एक बार फिर फैंस का दिल जीतने में सफल रही हैं, तो वही देव मोहन भी अपने किरदार में जच रहे हैं। ट्रेलर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा करते हुए सामंथा ने लिखा, प्रेम की इस यात्रा को शुरू करने के लिए तैयार हो जाइए। शाकुंतलम दुनिया भर में 14 अप्रैल को 3डी और 2डी में रिलीज होगी। शाकुंतलम का निर्देशन गुनाशेखर ने किया है। यह फिल्म कालिदास के नाटक अभिज्ञान शाकुंतलम पर आधारित है।

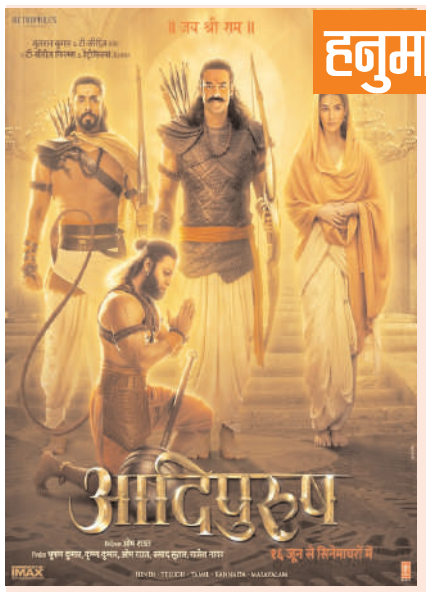

हनुमान जयंती पर आदिपुरुष का नया पोस्टर हुआ रिलीज

प्रभास, सैफ अली खान और कृति सेनन स्टारर फिल्म आदिपुरुष लाइम लाइट में है। ये फिल्म महाकाव्य रामायण पर आधारित एक पौराणिक फिल्म है। हाल में ही फिल्म से भगवान हनुमान का लुक रिलीज कर दिया गया है। हनुमान जयंती के इस खास मौके पर सामने आए इस लुक ने फैंस का दिल जीत लिया है। देवदत्त गजानन हनुमान के किरदार में नजर आने वाले हैं।

आदिपुरुष में भगवान श्रीराम का रोल प्ले कर रहे प्रभास ने हनुमान जयंती के खास मौके पर हनुमान का लुक रिलीज कर दिया है। इंस्टाग्राम पर प्रभास ने इस नए पोस्टर को रिलीज किया है। एक्टर ने कैप्शन में लिखा है, राम के भक्त और रामकथा के प्राणज्जय पवनपुत्र हनुमान! सोशल मीडया पर पोस्टर ट्रेंड कर रहा है।

हनुमान जयंती के मौके पर रिलीज हुआ ये पोस्टर सबका खूब ध्यान खींच रहा है। दर्शक लंबे समय से आदिपुरुष फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। फैंस पोस्टर पर खूब लाइक बरसा रहे हैं।

आपको बता दें, देवदत्त गजानन नागे ने छोटे पर्दे से लेकर मराठी और बॉलीवुड फिल्मों में खूब काम किया है। ओम राउत के निर्देशन में बनी फिल्म तानाजी में भी वो नजर आ चुके हैं।

बता दें, ओम राउत के निर्देशन में बन रही बिग बजट फिल्म आदिपुरुष एक पैन इंडिया फिल्म है। हाल ही में फिल्म का एक और पोस्टर रिलीज किया गया था जिसमें प्रभास, कृति सेनन और सनी सिंह अपने किरदार के साथ नजर आए थे। इस पोस्टर पर जहां फैंस ने प्यार लुटाया को कुछ लोगों ने इसका विरोध भी किया है।

अजब-गजब | ज्यादातर लोगों को नहीं पता होते ट्रैफिक रूल्स

आखिर सड़क के किनारे क्यों लगाया जाता है कैमरे के निशान का बोर्ड?

इन दिनों सड़क हादसे के कई मामले सामने आने लगे हैं। जैसे-जैसे लोगों के पास इनकम के सोर्स बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे ही सड़कों पर गाड़ियों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। इसी के साथ बढ़ रहे हैं रोड एक्सीडेंट के मामले। सड़क दुर्घटनाओं पर काबू पाने के लिए कई तरह के ट्रैफिक रूल्स नए जाते हैं। ताकि हादसों पर कंट्रोल किया जा सके लेकिन इसका कुछ पॉजिटिव असर तो नजर नहीं आ रहा है। लोग जल्दबाजी में इन रूल्स को तोड़ डालते हैं, जिसका अंजाम उन्हें भुगतना पड़ता है। इन्हीं हादसों पर काबू पाने के लिए सड़कों के किनारे रोड साइन लगाए जाते हैं

इन दोनों ट्विटर पर लोगों के बीच मतभेद शुरू हो गया है। दरअसल, एक रोड साइन के ऊपर ये बहस चल रही है। कई लोगों ने सड़क के किनारे इस साइन को देखा तो है लेकिन इसका मतलब नहीं जानते। ये साइन है स्पीड कैमरा का। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर सड़क के किनारे स्पीड कैमरा के साइनबोर्ड का क्या ही काम होगा। अधिकांश लोग इस साइन का

असली मतलब नहीं जानते। जब सोशल मीडिया पर इसका मतलब शेयर किया गया तब जाकर कई लोगों को इसकी असलियत का पता चला।

सड़कों पर लगे साइनबोर्ड्स हादसों का खतरा कम करने के लिए लगाए जाते हैं। लोगों को आगे के खतरे से अवगत करवाने के लिए इन्हें लगाया जाता है। लेकिन कई लोगों को इनमें से कुछ का मतलब ही पता नहीं होता। ऐसे में वो आगे आने वाले खतरे के बारे में जान ही नहीं पाते। इन्हीं में से एक है स्पीड कैमरा का निशान। ब्रिटेन में खासकर इस साइनबोर्ड का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन अब जाकर लोगों को इसका असली मतलब पता चला है। ट्विटर यूजर ने इसे सबसे पहले शेयर किया, जिसके बाद लोगों ने इसमें इंट्रेस्ट दिखाया। इस साइनबोर्ड में आपको दो लेंस वाला एक स्पीड कैमरा नजर आएगा ।

ट्विटर पर @FeyeraBender नाम के यूजर ने इसे शेयर किया। यूजर ने लिखा कि कई सालों तक उसे ऐसा लगता था कि इसका राजघराने से कुछ लेना देना है।

लेकिन अब जाकर पता चला कि असल में इसका मतलब है कि आप सीसीटीवी की निगरानी में हैं। हाईवे कोड के मुताबिक, सफेद बैकग्राउंड में बने काले कैमरा बताते हैं कि आप कैमरे की निगरानी में है और अपनी स्पीड को आप नियंत्रित रखें। अब आपको पता चल गया इस निशान का असली मतलब। आगे से बिलकुल कन्फ्यूज ना हों।

यहां मातृभाषा में गिटपिट की तो देना पड़ेगा 90 लाख का जुर्माना!

हमारे देश में कई बार आपने राजनेताओं को भाषणों में तो ये कहते हुए सुना होगा कि मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए। कहा तो ये भी जाता है कि देश के दस्तावेजों से लेकर सारी चीज़ें मातृभाषा हिंदी में ही होनी चाहिए। वो बात अलग है कि ऐसा होता नहीं है। हालांकि दुनिया में एक ऐसा देश भी है, जहां वाकई मातृभाषा से इतर बात करने पर सजा का प्रावधान है। हम बात कर कर रहे हैं इटली की। यहां जब दस्तावेज़ों से लेकर आम बातचीत में भी अंग्रजी के शब्दों का इस्तेमाल बढ़ गया, तो सरकारी स्तर पर इस पर सोच-विचार होने लगा। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इटली की एक पॉलिटिकल पार्टी की ओर से प्रस्ताव रखा गया है कि विदेशी भाषा यानि अंग्रेजी के शब्दों का इस्तेमाल खत्म करना है, तो इसके लिए सजा का प्रावधान लाना होगा। इटली में इस वक्त वहां की दक्षिण पंथी पार्टी सत्ता में है। ऐसे में मातृभाषा को प्रमोट करने को लेकर यहां तरह-तरह के प्रयास हो रहे हैं। प्रधानमंत्री जियॉर्जिया मेलोनी की पार्टी की ओर से सरकारी संचार के लिए अंग्रेजी या किसी और विदेशी भाषा के शब्द का इस्तेमाल करने पर सज़ा का प्रावधान रखा गया है। इसके लिए जुर्माने की रकम 4 लाख रुपये से लेकर 89 लाख रुपये तक रखी जाएगी। इसे एंग्लोमैनिया यानि अंग्रेजी के मोह से छूटने का अहम कदम बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि इस प्रस्ताव को जल्दी ही कानूनी रूप दिया जाएगा। अगर ये कानून पास होता है, तो ऐसे अधिकारियों और राजनेताओं पर जुर्माना लगेगा, जो दूसरी भाषाओं के शब्द का इस्तेमाल बोलने या लिखने के दौरान करेंगे। इटली का एक तबका मानता है कि अंग्रेजी का विदेशी भाषाओं के इस्तेमाल से मातृभाषा का अपमान होता है। यूरोन्यूज के मुताबिक स्टडीज में ये बात सामने आई कि इटैलियन भाषा की डिक्शनरी में 9000 इंग्लिश के वर्ड्स शामिल हैं।

भाजपा सरकार में गरीब और गरीब हो गया : सिब्बल

पीएम मोदी की सामाजिक न्याय टिप्पणी पर कसा तंज-अमीर और अमीर होता जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा है भाजपा सरकार में अमीर और अमीर हो रहा है और गरीब और गरीब होता जा रहा है। पूर्व कांग्रेस नेता व वरिष्ठ वकील सिब्बल ने सामाजिक न्याय के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर ये बात कही। उन्होंने दावा किया कि इस सरकार के तहत अमीर अमीर हो जाते हैं और गरीब और अधिक गरीब हो जाते हैं।

ज्ञात हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पार्टी के 44वें स्थापना दिवस पर भाजपा के सदस्यो संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुफ्त राशन योजना, स्वास्थ्य बीमा और अन्य कल्याणकारी उपायों का हवाला देते हुए कहा कि सामाजिक न्याय भाजपा के लिए विश्वास का एक लेख था, जबकि अन्य दलों ने समाज की मदद किए बिना विशेष परिवारों के हितों को आगे बढ़ाने के लिए तख्ती का इस्तेमाल किया।

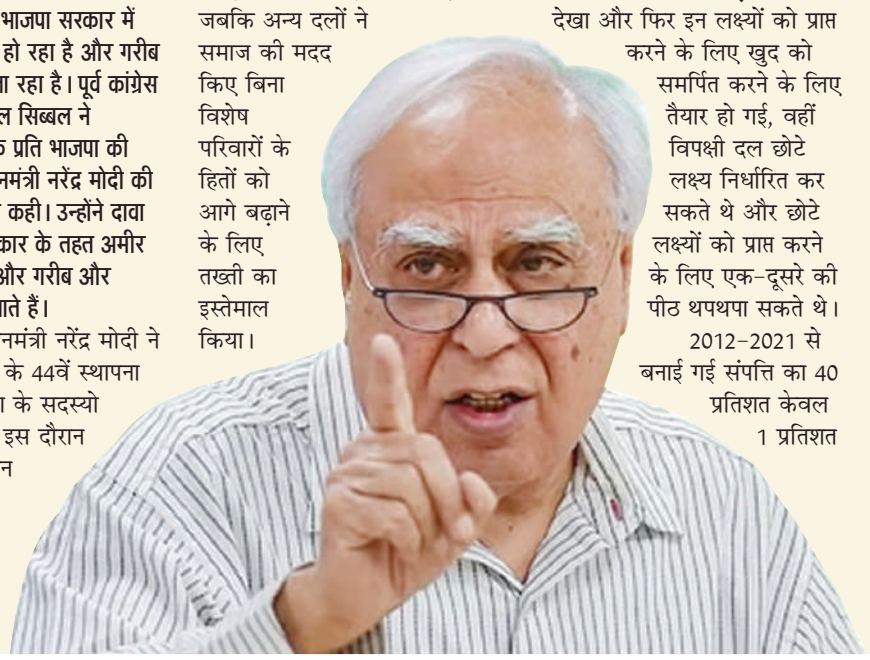

प्रधानमंत्री ने कहा था कि जहां भाजपा ने सोचा और बड़ा सपना देखा और फिर इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए खुद को समर्पित करने के लिए तैयार हो गई, वहीं विपक्षी दल छोटे लक्ष्य निर्धारित कर सकते थे और छोटे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक-दूसरे की पीठ थपथपा सकते थे। 2012-2021 से बनाई गई संपत्ति का 40 प्रतिशत केवल 1 प्रतिशत आबादी के पास गया एक ट्वीट में सिब्बल ने कहा कि पीएम बीजेपी सामाजिक न्याय के लिए जीती है और अक्षरश:इसका पालन करती है। 2012-2021 से बनाई गई संपत्ति का 40 प्रतिशत केवल 1 प्रतिशत आबादी के पास गया। 2022 में अडानी की संपत्ति में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई 3) 64 प्रतिशत जीएसटी नीचे के 50 प्रतिशत से आया 4 फीसदी टॉप 10 फीसदी से आए। सिब्बल ने दावा किया कि अमीर अमीर हो जाते हैं गरीब गरीब हो जाते हैं। यूपीए 1 और 2 के दौरान केंद्रीय मंत्री रहे सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी थी और समाजवादी पार्टी के समर्थन से एक स्वतंत्र सदस्य के रूप में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने हाल ही में अन्याय से लड़ने के उद्देश्य से एक गैर-चुनावी मंच इंसाफ शुरू किया है।

आकांक्षा दुबे आत्महत्या मामले में भोजपुरी गायक समर सिंह गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा सिंह को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी गायक समर सिंह को वाराणसी कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच ने गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है। उसे अदालत में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर वाराणसी लाए जाने की तैयारी की जा रही है। वहीं, प्रकरण के दूसरे आरोपी संजय सिंह की तलाश जारी है।

बता दें कि भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी गायक समर सिंह और संजय सिंह के खिलाफ अदालत ने गुरुवार को गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया था। दोनों आरोपियों के खिलाफ कुर्की का वारंट प्राप्त करने के लिए अदालत में कमिश्नरेट की पुलिस की ओर से प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिसमें आरोपी गायक समर सिंह का गिरफ्तार कर लिया गया है वहीं पुलिस दूसरे आरोपी संजय सिंह की तलाश में जुटी है। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे बीते 26 मार्च को सारनाथ क्षेत्र स्थित एक होटल के कमरे में मृत मिली थीं। आकांक्षा दुबे को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में भोजपुरी गायक समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह के खिलाफ सारनाथ थाने में 27 मार्च को मुकदमा दर्ज किया गया था।

हरदोई में दर्दनाक अग्निकांड, चूल्हे से घर में लगी आग, दो मासूम जिंदा जले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में एक दर्दनाक हादसा हो गया है। यहां झोपड़ी में आग लगने से दो मासूम जिंदा जल गए। हादसे के बाद इलाके में मातम छा गया है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जायजा लिया। साथ ही, दोनों बच्चों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, हरपालपुर थाना क्षेत्र के मखाई पुरवा गांव में झोपड़ी में आग लगने से दो मासूम बच्चों की जिंदा जलकर मौत हो गई। गांव के लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सूचना के बाद भी मौके पर दमकल की टीम नहीं पहुंच सकी। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। मखाई पुरवा निवासी तेजराम की पत्नी शुक्रवार की सुबह खाना बनाने के लिए चूल्हा जलाया। उसके बाद शौच करने के लिए चली गई। वहीं, परिवार के अन्य लोग खेतों पर काम करने के लिए चले गए थे। इस दौरान घर में सिर्फ तेजराम का बेटा ज्ञानेंद्र (5) और बेटी नन्हीं (3) मौजूद थे।

मां ने मचाया शोर

अचानक चूल्हे से निकली चिंगारी झोपड़ी में आग लग गई। देखते ही देखते पूरी झोपड़ी को आग ने अपने आगोश में ले लिया। इससे घर के अंदर मौजूद मासूम ज्ञानेंद्र व नन्ही की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। आग की लपटों को देखकर शौच करने गई मासूमों की मां ने शोर मचाया।

नहीं पहुंची दमकल की टीम

इसके बाद गांव के लोगों ने कड़ी मशकत कर आग पर काबू पाया। दमकल विभाग को सूचना दी गई, लेकिन मौके पर दमकल विभाग की टीम नहीं पहुंच सकी। इस अग्निकांड को लेकर पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। आक्रोशित ग्रामीणों ने दमकल विभाग पर नाराजगी जताई है।

एडीजी जय नारायण सिंह की अकादमी को राष्ट्रीय पुरस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। गृह मंत्रालय के अधीन ब्यूरो आफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट विभाग ने सेंट्रल जोन के दस राज्यों में मुरादाबाद की डा. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी को राष्ट्रीय स्तर उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया है। उसे सर्वश्रेष्ठ अकादमी घोषित किया गया है। अकामदी के मुखिया एडीजी जय नारायण सिंह को राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया है। वह दो साल से वहां के प्रमुख है। बीते कई सालों से इस प्रतियोगिता में स्थान बनाने के लिए अफसर प्रयास कर रहे थे। गृह मंत्रालय सात वर्षों से देश के पुलिस और सुरक्षा बलों के प्रशिक्षण संस्थानों को सम्मानित किया जाता है। पुरस्कार के लिए गृह मंत्रालय की टीम मानकों के आधार पर बेहतर काम करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों का चयन किया जाता है।

साल 1901 में मुरादाबाद में पुलिस अधिकारियों के प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ था। इसके बाद 1906 में डिप्टी एसपी के प्रशिक्षण का शुभारंभ मुरादाबाद पुलिस अकादमी से शुरू हुआ था। साल 1997 में पुलिस अकादमी का नाम डा. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी रखा गया था। पुलिस अकादमी से अभी तक एक हजार से ज्यादा अफसर पास आउट हो चुके हैं। वहीं, बीते सालों में पुलिस अकादमी की क्षमता में परिवर्तन करके इसको बेहतर बनाने का काम किया जा रहा है। स्वच्छता, सफाई, घुड़सवारों के प्रशिक्षण के साथ ही अकादमी के बेहतर प्रशिक्षण कोर्स को देखते हुए गृह मंत्रालय ने बेस्ट पुलिस प्रशिक्षण केंद्र का पुरस्कार देने का फैसला किया है। डा.भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी मुरादाबाद के अपर पुलिस महानिदेशक जयनारायण सिंह ने बताया कि बीते कुछ सालों में डा. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण क्षमता को बढ़ाने के साथ ही दो-दो बैच एक साथ पास आउट करने का काम किया गया है। पुलिस में किए गए बेहतर कार्य और प्रशिक्षण की गुणवत्तापूर्ण होने पर गृह मंत्रालय की ओर से सेंट्रल जोन में पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। इसके लिए अकादमी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई।

विलियमसन नहीं खेल पाएंगे वनडे वर्ल्ड कप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन आईपीएल 2023 में चोटिल हो गए थे। गुजरात टाइटंस के लिए खेलते हुए विलियमसन ने बाउंड्री पर कैच पकड़ने की कोशिश की थी और तब उनके घुटने में चोट लग गई थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने घोषणा की है कि विलियमसन इस साल भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप से बाहर रहेंगे। स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन को सर्जरी से गुजरना होगा। न्यूजीलैंड के हेड कोच गैरी स्टीड ने कहा कि 32 साल के विलियमसन का वनडे वर्ल्ड कप तक फिट होना मुश्किल है।

विलियमसन की कमी न्यूजीलैंड के लिए बड़ा झटका है। न्यूजीलैंड की टीम ने अब तक वनडे वलर्ड कप खिताब नहीं जीता है। वो दो बार रनर्स-अप (2015 और 2019) जरूर रही है।केन विलियमसन ने अपने बयान में कहाचोटिल होना निराशानजक है, लेकिन मेरा पूरा ध्यान सर्जरी और रिहैब शुरू करने पर है। ठीक होने में समय लगेगा, लेकिन मैं मैदान में जल्द से जल्द वापसी के लिए सबकुछ करूंगा। विलियमसन को पिछले सप्ताह शुक्रवार को बाउंड्री लाइन पर कैच लेते समय चोट लगी थी। वो दो खिलाड़ियों के सहारे मैदान से बाहर गए थे।

आरसीबी के तीसरे खिलाड़ी टॉपली भी आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए आईपीएल 2023 में आगे की राह और मुश्किल हो सकती है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रीस टॉपली कंधे में चोट के कारण आईपीएल 2023 से बाहर हो गए हैं। आरसीबी के लिए खिताब जीतने की राह मुश्किल हो गई है क्योंकि टॉपली मौजूदा आईपीएल से बाहर होने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। रीस टॉपली से पहले विल जैक्स और रजत पाटीदार टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। आरसीबी के हेड कोच संजय बांगड़ ने केकेआर के खिलाफ मैच के दौरान पुष्टि की है कि रीस टॉपली स्वदेश लौट गए हैं क्योंकि वो आगे टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। आरसीबी ने टॉपली को 1.9 करोड़ रुपये में खरीदा था। टॉपली की बेस प्राइस 75 लाख रुपये थी और उन्हें खरीदने के लिए मुंबई इंडियंस व चेन्नई सुपरकिंग्स ने भी दिलचस्पी दिखाई थी। संजय बांगड़ ने साथ ही पुष्टि की है कि वनिंदु हसरंगा और जोश हेजलवुड क्रमश- 10 और 14 अप्रैल तक आरसीबी स्क्वाड से जुड़ेंगे।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

आज सरेंडर करेगा अमृतपाल पंजाब पुलिस ने पूरी की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। वारिस पंजाब दे का प्रमुख अमृतपाल सिंह करीब 20 दिन से भगोड़ा चल रहा है। अभी तक पुलिस उसका कोई सुराग नहीं लग पाई है। हालांकि अब अंदेशा जताया जा रहा है कि अकाल तख्त के जत्थेदार हरप्रीत सिंह की ओर से शुक्रवार को तलवंडी साबो के तख्त श्री दमदमा साहिब में बुलाई गई विशेष सभा में वह आत्मसमर्पण कर सकता है। दूसरी तरफ इस बात को लेकर पंजाब पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां भी हरकत में आ गई हैं।

20 दिन बाद भी है पकड़ से दूर

पंजाब पुलिस के सभी कर्मचारियों की छुट्टियां 14 अप्रैल तक रद्द कर दी गई हैं। 14 तक किसी कर्मी को छुट्टी नहीं दी जाएगी वहीं पहले से स्वीकृत अवकाश भी रद्द कर दिए गए हैं। पुलिस की कोशिश है कि वह किस भी धार्मिक स्थल में प्रवेश न कर पाए। इतना ही नहीं पुलिस की तरफ से विशेष सर्च ऑपरेशन तक चलाया गया है। हालांकि पुलिस अधिकारी इस बारे में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

इससे पहले अमृतपाल ने एक वीडियो जारी कर जत्थेदार से सरबत खालसा बुलाने की मांग की थी लेकिन अकाल तख्त के जत्थेदार ने ऐसा न कर सीधे शुक्रवार को विशेष सभा बुलाई है। सूत्रों की माने तो 27 मार्च को जब अमृतपाल सिंह व उसका साथी पपलप्रीत होशियारपुर में पहुंचे थे, तो उन्होंने एक गुरुद्वारे में शरण ली थी। इस दौरान गुरुद्वारे के एक प्रमुख व्यक्ति ने अमृतसर जाकर जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह से मुलाकात की थी। उसके माध्यम से अमृतपाल सिंह ने सरेंडर करने की बात वहां तक पहुंचाई थी लेकिन वह उसमें कामयाब नहीं हो पाए थे।

अगवा पुत्री की बरामदगी न होने से एसपी ऑफिस पर मां ने किया आत्मदाह का प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। मैनपुरी में नाबालिग पुत्री की बरामदगी को लेकर शुक्रवार की सुबह थाना ओंछा क्षेत्र निवासी एक महिला परिजन के साथ एसपी ऑफिस पहुंची। खुद पर मिट्टी का तेल डाल लिया, तभी कार्यालय में तैनात पुलिसकर्मियों ने उसके हाथ से तेल की बोतल छीन ली। सीओ सिटी महिला पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और पीड़िता से जानकारी ली।

थाना ओंछा क्षेत्र की रहने वाली एक महिला शक्रवार की सुबह अपने परिजन के साथ एसपी कार्यालय पहुंची। कार्यालय के बाहर उसने खुद पर मिट्टी का तेल डालना शुरू कर दिया। यह नजारा देखकर एसपी कार्यालय में तैनात पुलिसकर्मी भागते हुए बाहर आए और महिला के हाथ से तेल की बोतल छीन ली। सूचना मिलने के बाद सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह महिला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। महिला ने आरोप लगाया कि थाना पुलिस उसकी अगवा हुई पुत्री को नहीं ढूंढ रही है। महिला ने आरोप लगाया कि ओंछा पुलिस आरोपियों से मिली हुई है और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। पहले भी कई बार शिकायत लेकर आ चुकी है, लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई। महिला का कहना था कि जब तक उसकी पुत्री नहीं मिल जाती। तब तक वह नहीं जाएगी। यदि पुत्री नहीं मिली तो वह जान दे देगी। बता दें कि उक्त महिला द्वारा कुछ दिन पूर्व भी एसपी कार्यालय के बाहर खुद पर डीजल डालकर आत्महत्या की कोशिश की गई थी। सीओ सिटी ने ओंछा पुलिस से कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली।

फोटो: 4पीएम

स्वागत गृहमंत्री अमित शाह का अमौसी एयरपोर्ट पर स्वागत करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। दोनों नेता लखनऊ से आजमगढ़ जाएंगे जहां वह कई योजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

अतीक के भाई अशरफ की तबीयत बिगड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। बिथरी चैनपुर मामले में माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाना था पर उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उसकी पेशी नहीं हो सकी।

आज कोर्ट में नहीं हो सकेगा पेश

मामले की विवेचना कर रहे सीओ आशीष प्रताप सिंह ने प्रकरण में आरोपित से पूछताछ के लिए कोर्ट में तलबी वारंट की अर्जी लगाई थी जिस पर शुक्रवार यानी आज उसे सक्षम न्यायालय में पेश किया जाना था। आरोपित को जेल से लाने के लिए बरेली पुलिस का वज्र वाहन जिला जेल पहुंच गया था ।

पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी थी पर तभी अशरफ की तबीयत बिगड़ गई। जिसके कारण कोर्ट में उसकी पेशी नहीं हो सकी। दरअसल, उमेश पाल हत्याकांड के बाद बिथरी चैनपुर थाने में अशरफ उसके साले सद्दाम, लल्ला गद्दी, जेल के सिपाही शिवहरि अवस्थी, दयाराम उर्फ नन्हे उसने जेल कर्मियों व अधिकारी एवं अशरफ के गुर्गे अज्ञात के विरुद्ध रंगदारी व अन्य धाराओं में प्राथमिकी लिखी गई थी। मामले में पुलिस सभी के बयान ले चुकी है। अशरफ वह उसके फरार साले सद्दाम के बयान शेष है। अग्रिम कार्रवाई के लिए अशरफ को कोर्ट में पेश कराने की प्रक्रिया शुरू हुई थी।

बदली जा सकती है जेल

बरेली। विवादों में घिरे बरेली केंद्रीय कारागार-2 के वरिष्ठ जेल अधीक्षक राजीव शुक्ला को निलंबित करने के बाद शासन ने विपिन कुमार मिश्र को यह जिम्मेदारी सौंपी है। अब अशरफ की जेल बदलने की सुगबुगाहट है। इस मामले में गोपनीय रिपोर्ट शासन को भेजे जाने की चर्चा है। उमेश पाल हत्याकांड से अशरफ के जुड़ाव के बाद बरेली जिला जेल (केंद्रीय कारागार-2) करीब डेढ़ महीने से सुर्खियों में है। यहां जेल अधीक्षक से लेकर आरक्षियों तक करीब आठ लोग निलंबित हो चुके हैं और दो आरक्षी जेल में हैं। वरिष्ठ जेल अधीक्षक के निलंबन के बाद खीरी जेल से विपिन कुमार मिश्र को बरेली में इस पद पर भेजा गया है। उनसे तत्काल प्रभाव से नया पदभार ग्रहण करने को कहा गया है। अभी तक जेलरों के हाथ में जेल प्रशासन की व्यवस्था थी।

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम किरण रेड्डी भाजपा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी भाजपा में शामिल हो गए हैं। किरण कुमार रेड्डी ने नई दिल्ली में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। दक्षिण की राजनीति में अपने पैर पसारने की तैयारी कर रही भाजपा के लिए यह एक बड़ी सफलता है।

किरण रेड्डी ने बीती 12 मार्च को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेजा था। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस आलाकमान के गलत फैसलों की वजह से राज्य दर राज्य पार्टी टूट रही है। यह एक राज्य की बात नहीं। एक कहानी है कि मेरा राजा बहुत बुद्धिमान है, वह अपने आप नहीं सोचता और न ही किसी का सुझाव मानता है। आप समझ गए होंगे मैं क्या कहना चाहता हूं।

उत्तर भारत में चढ़ने लगा पारा

गर्मी बढ़ी, सड़कें होने लगीं सूनसान, महाराष्ट्र, तेलंगाना में बारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के अधिकतर राज्यों में पारा धीरे-धीरे चढ़ने लगा है। गुरुवार को दिल्ली और यूपी, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र के अलावा कई राज्यों में बारिश हुई। हालांकि, आज कुछ ही राज्यों में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि महाराष्ट्र, तेलंगाना और ओडिशा में आज गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल के कुछ हिस्सों में अगले तीन दिनों के दौरान हल्की/मध्यम वर्षा के साथ गरज/बिजली चमकने की संभावना है। इसके अलावा ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों में आज ओलावृष्टि की भी संभावना है।

देश की राजधानी दिल्ली में आज आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। तापमान में भी इजाफा देखने को मिलेगा। न्यूनतम तापमान 18 डिग्री, जबकि अधिकतम तापमान 34 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। 9 अप्रैल को दिल्ली में बारिश की संभावना है।

पांच दिनों में और बढ़ेगा तापमान

उत्तर-पश्चिम भारत, पूर्वोत्तर भारत, गुजरात और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस नीचे है। देश के बाकी हिस्सों में तापमान सामान्य के करीब है। अगले पांच दिनों के दौरान तापमान उत्तर पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में धीरे-धीरे 2-4 डिग्री सेल्सियस बढ़ने की संभावना है। साथ ही अगले 5 दिनों के दौरान देश के किसी भी हिस्से में लू चलने की संभावना नहीं है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।